

प्रेषक,

कुँवर सिंह,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तरांचल पेयजल निगम,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: ०५ अगस्त, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2006-07 में राज्य सौकर की ग्रामीण पेयजल योजनान्तर्गत जनपद पौड़ी के कोटद्वार में सिगडडी एवं गोटाढाक में दो नलकूपों की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जनपद पौड़ी गढवाल के कोटद्वार में सिगडडी एवं गोटाढाक क्षेत्रों में एक-एक नलकूप अर्थात् कुल दो नलकूपों के निर्माण हेतु रु० 147.70 लाख के प्राक्कलन पर प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति के साथ ही ग्रामीण पेयजल राज्य सौकर के अंतर्गत रु० 50.00 लाख की धनराशि शासनादेश संख्या 1456/उन्तीस(2)/05-2(91पे0)/2005, दिनांक 03 जनवरी, 2006 द्वारा निर्गत की गई है। तद्विषयक आपके पत्र संख्या 2706/धनावंटन प्रस्ताव/ दिनांक 14.07.06 के सन्दर्भ में मुझे सह कहने का निदेश हुआ है कि आगणन की अवशेष धनराशि रु० 97.70 लाख (रु० सत्तानवे लाख सत्तर हजार मात्र) के व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल सांसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, आवश्यकतानुसार किस्तों में आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

3 स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपभोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय, यदि इस धनराशि का उक्त तिथि तक उपभोग नहीं हो सकता है तो अवशेष धनराशि शासन को उक्त तिथि तक समर्पित कर दी जायेगी। कार्य दिनांक 31.03.07 तक पूर्ण कर इसकी सूचना शासन को दे दी जायेगी।

- 4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 5- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद की धनराशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 6- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- 7- उक्त सन्दर्भित शारानादेश दिनांक 03 जनवरी, 2006 में उल्लिखित अन्य शर्तें यथावत् रहेंगी।
- 8- उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान रा०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति- आयोजनागत -102- ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम-03-ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर-00 -20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।
- 9- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय रा०-395/XXVII(2)/2006 दिनांक 01 अगस्त, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(कुँवर सिंह)

अपर सचिव

पृ० रा० 1548 / उत्तीरा(2)06-2(91पे०)/2005, तददिनांक.

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल गण्डल।
3. जिलाधिकारी, देहरादून/पौड़ी गढ़वाल।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. मुख्य महाप्रबन्धक/महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल।
7. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री उत्तरांचल।
8. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शारान को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 10. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव